

DSE-3 – जैनदर्शने द्रव्य-तत्त्वमीमांसा

परिचयः – जैनदार्शनिकाचार्यनेमिचन्द्रस्य व्यक्तित्वस्य कृतित्वस्य च परिचयः। प्रमुखजैनसिद्धान्तोपु द्रव्याणां तत्त्वानां च परिचयः।

प्रयोजनम्- छात्राः अस्मिन् पञ्चे जैनदार्शनिकाचार्यनेमिचन्द्रस्य परिचयं प्राप्यति तथा च प्रमुखजैनसिद्धान्तान् ज्ञास्यति।

फलितांशः- जैनदार्शनिकाचार्यनेमिचन्द्रस्य व्यक्तित्वस्य कृतित्वस्य च प्रतिपादनम्। प्रमुखजैनसिद्धान्तानां प्रतिपादनम्।

| कक्षा | सत्राङ्क | पत्रकोड | पाठ्यक्रमविवरणम् | क्रोडि | ग्रन्ति | कालांश |
|-----------|----------|---------|--|--------|---------|--------|
| शास्त्री | पंचम | DSE-3 | जैनदर्शने द्रव्य-तत्त्वमीमांसा | 4 | 4 | |
| तृतीयवर्ष | | | आधारग्रन्थः - द्रव्यसंग्रहः (आचार्य नेमिचन्द्रः) सन्दर्भग्रन्थः - 1. जैनदर्शनमीमांसा, अंक ४ (जैनदर्शन विभाग, केन्द्रीय संस्कृत वि.वि. भोपाल परिसर, भोपाल) 2. द्रव्य की अवधारणा (सांख्यी योगक्षेमप्रभा, जैन विश्वभारती लाइन) | | | |
| यूनिट I | | | आचार्यनेमिचन्द्रस्य व्यक्तित्वं-कृतित्वम्, द्रव्यसंग्रहग्रन्थस्य परिचयः, जैनदर्शने द्रव्यस्य सामान्यत्वरूपम् | 1 | 1 | 16-20 |
| यूनिट II | | | जीवः, पुरुषः, धर्मः, अधर्मः, आकाशः, कालश्च द्रव्याणि, तत्र च पंचास्तिकायस्वरूपम्। गाथा १-२७ | 1 | 1 | 16-20 |
| यूनिट III | | | जीवः, अजीवः, आक्षर्वः, बंधः, संवरः, निर्जराः मोक्षश्च सप्ततत्त्वानि तथा च पुण्यपापसहितनवपदार्थस्वरूपम्। गाथा २८-३८ | 1 | 1 | 16-20 |
| यूनिट IV | | | जैनदर्शने मोक्षमार्गस्य स्वरूपम्, पंचपरमेष्ठीस्वरूपम्, ध्यानस्वरूपम्। गाथा ३९-५८ | 1 | 1 | 16-20 |